एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा कविता प्रतियोगिता का आयोजन

मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक पब्लिकेशन ÷एम एस केशरी पब्लिकेशन÷ जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्यगोष्ठी,जुगलबंदी,साक्षात्कार और कविता व विडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं। हर माह के तरह मार्च माह में भी कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देशभर के साहित्यकार भाग लिए है। जिसमें विजेता विनय मोहन शर्मा, सूफिया जैदी, रामबाबू शर्मा, विद्या बाहेती, सनल कक्काड, मिताली श्रीवास्तव, चंद्राकला भारतिय , रीति झा, मधु वशिष्ठ, नीरज यादव बने। वही प्रतिभागी श्रीमती उषा चतुर्वेदी, नीता गुप्ता, पुर्णिमा सुमन, अजय सरजोशी, रेखा जैन प्रकाश, श्रीमती प्रेमली बड़ोदे प्रेमश्री मेहरा,मनलाल बड़ोदे राधेप्रेम मेहरा, श्रीमती आरती बड़ोदे प्रियाश्री मेहरा, डाँ हरिदास बड़ोदे हरिप्रेम मेहरा, बलराम सोनी, रिया अग्रवाल, सुमन विष्ट, नायक बाबू लाल नायक, भूमिका शर्मा, आचार्य निर्मल, डाँ नौशाद अहमद सिद्दीकी, सुधीर कुमार पांडे, आशा बंसल, ममता मदान, निवेदिता सिन्हा, प्रवल प्रताप सिंह राणा प्रवल, रिषभ सागर, राज, प्रतिभा द्विवेदी मुस्कान, मिताली श्रीवास्तव वर्मा, अनिल भारद्वाज, श्रीमती आशा झा, राकेश कुमार यादव, कृष्णा चौहान, अर्चना गुप्ता, विरेन्द्र जैन माहिर, देवेन्द्र कुमार राजपुरोहित, मुकेश कुमावत मंगल, विद्या बाहेती महेश्वरी, डॉ लीला दीवान, चंद्रकला भरतीया, बाबू भंडारी हमनवा, टी के, डाँ योगिता सिंह हंसा, डाँ सतीश बब्बा, नीतू रवि गर्ग, डॉ महेश मनुका, अवधेश कुमार साहू रहे। विजेता को सम्मान पत्र दिया जाएगा और साथ ही सभी प्रतिभागी को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं। भाग लेने हेतु सम्पर्क करें = 6203124315

म.प्र. लोक सेवा गांरटी अधिनियम अंतर्गत समय सीमा में सेवा नहीं देने पर 29 पदाभिहित अधिकारियों पर शास्त्ती अधिरोपित

राजगढ। म.प्र. लोक सेवा गांरटी अधिनियम अंतर्गत समय सीमा में सेवा नहीं देने पर 29पदाभिहित अधिकारियों पर शास्त्ती अधिरोपित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत देहरीकराड के ग्राम पंचायत सचिव पर 1500 रूपये की शास्तीा अधिरोपित की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत देहरीकराड डिगवाड के ग्राम पंचायत सचिव पर 500 रूपये, ग्राम पंचायत देहरीकराड के ग्राम पंचायत सचिव पर 500रूपये, ग्राम पंचायत बांकपुरा के ग्राम पंचायत सचिव पर2000 रूपये, ग्राम पंचायत बांकपुरा के ग्राम पंचायत सचिव पर2000 रूपये, ग्राम पंचायत बांकपुरा के ग्राम पंचायत सचिव पर2000 रूपये,ग्राम पंचायत देवलीकला के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत करनवास के ग्राम पंचायत सचिव पर1250 रूपये,ग्राम पंचायत झिरी जनपद सारंगपुर के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत झिरी जनपद सारंगपुरके ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत झिरीजनपद सारंगपुरके ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत भ्याचना जनपद सारंगपुर के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत भ्याचना जनपद सारंगपुर के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत भाटखेडी जनपद सारंगपुर केग्राम पंचायत सचिव पर1500 रूपये,ग्राम पंचायत लीमाचौहानजनपद सारंगपुर के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत भूमकाजनपद सारंगपुरके ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत सील्खेपडाजनपद ब्याावरा के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत सील्खेरडा जनपद ब्या0वरा के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत कुंडीखेडा जनपद ब्याावरा के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत जेपलाजनपद ब्यावराके ग्राम पंचायत सचिव पर5000 रूपये,ग्राम पंचायत बडोदियातालाब जनपद नरसिंहगढ़के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत तरेनीधाकडजनपद नरसिंहगढ़ के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत तरेनीधाकड जनपद नरसिंहगढ़ के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये,ग्राम पंचायत बरखेडीउमठजनपद जीरापुर के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत चीबडकलांजनपद खिलचीपुरी के ग्राम पंचायत सचिव पर2500 रूपये,ग्राम पंचायत देवलीसागाजनपद खिलचीपुरीके ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपये,ग्राम पंचायत गादियाकलाजनपद खिलचीपुरीके ग्राम पंचायत सचिव पर2500 रूपये,ग्राम पंचायत मोतीपुराजनपद खिलचीपुरी के ग्राम पंचायत सचिव पर250 रूपये एवं ग्राम पंचायत ब्यायवराकलांजनपद खिलचीपुरी के ग्राम पंचायत सचिव पर500 रूपयेकी शास्तीर अधिरोपित की गई। जिला रजिस्ट्रावर एवं द्वितीय अपीलीय अधिकारी ने बताया कि जन्म-मृत्यु पंजीयन से संबंधित प्राप्त प्रकरण जो कि नियत की गई समय सीमा में पदाभिहित अधिकारी द्वारा कार्यवाही नहीं की जाने के कारण लोक सेवा गांरटी के तहत समय सीमा बाह्य हो गई है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम की धारा 7(01) के अनुसारएक मुश्त शास्ति की जाने का प्रावधान है। जो की 250 रूपये प्रतिदिन तथा 5000 रूपये से कम का प्रावधान है। संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव पर प्रावधान के अनुसार शास्ती अधिरोपित की गई, जो कि संबंधित के वेतन से नियमानुसार शास्ती की राशि चालान हेड 0070 म.प्र. सेवा मे (60) उप शीर्ष 800 लघु शीर्ष 1066 में जमा कर तीन दिवस के अन्दर स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया है। साथ ही कहा गया है कि शास्ती अधिरोपित की राशि चालान द्वारा जमा कर एक प्रति उनके कार्यालय को उपलब्धक कराएं।

कहानी लेखन में सुरेश सौरभ

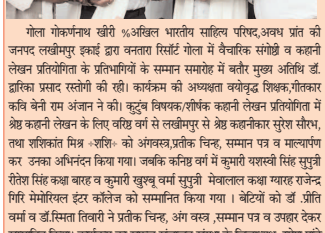

गोला गोकर्णनाथ खीरी %अखिल भारतीय साहित्य परिषद,अवध प्रांत की जनपद लखीमपुर इकाई द्वारा वनतारा रिसॉर्ट गोला में वैचारिक संगोष्ठी व कहानी लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. द्वारिका प्रसाद रस्तोगी की रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता वयोवृद्ध शिक्षक,गीतकार कवि बेनी राम अंजान ने की। कुटुंब विषयक/शीर्षक कहानी लेखन प्रतियोगिता में श्रेष्ठ कहानी लेखन के लिए वरिष्ठ वर्ग से लखीमपुर से श्रेष्ठ कहानीकार सुरेश सौरभ, तथा शशिकांत मिश्र ÷शशि÷ को अंगवस्त्र,प्रतीक चिन्ह, सम्मान पत्र व माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया गया। जबकि कनिष्ठ वर्ग में कुमारी यशस्वी सिंह सुपुत्री रीतेश सिंह कक्षा बारह व कुमारी खुश्बू वर्मा सुपुत्री मेवालाल कक्षा ग्यारह राजेन्द्र गिरि मेमोरियल इंटर कॉलेज को सम्मानित किया गया । बेटियों को डॉ .प्रीति वर्मा व डॉ.स्मिता तिवारी ने प्रतीक चिन्ह, अंग वस्त्र ,सम्मान पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के जिलाध्यक्ष रमेश पांडे %शिखर शलभ% ने किया उन्होंने कहा, जनपद खीरी के साहित्यकार सुरेश सौरभ ने कहानी और लघुकथा लेखन में वैश्विक पहचान बनाई है। गोष्ठी में प्रांतीय कार्यकारणी के सदस्य वेद प्रकाश अग्निहोत्री , श्रीकांत तिवारी ÷कांत÷ संत कुमार बाजपेई ÷संत÷ गेंदनलाल कनौजिया, ब्रजेश तिवारी, गज़लकार मुनेंद्र प्रताप सिंह, श्याम मोहन मिश्र सुधीर अवस्थी, रमाकांत चौधरी ने काव्य पाठ करते हुए विचार व्यक्त किये। सुरेश सौरभ ने कुटुंब आधारित अपनी कहानी %औलाद के आंसू% का वाचन किया। विचार गोष्ठी में कुटुंब विषयक व्याख्यान भी दिए गए, जिसमें वक्ता सुधीर अवस्थी ने कहा कुटुंब ढाल है। वह रूमाल है जो अंतर्मन के आंसुओं को पोंछता है। रमाकांत चौधरी ने अंधेरे को आफताब बांटना चाहता हूं, सामाजिक संदर्भों में कविता का वाचन करके से समां बांध दिया। गोष्ठी में नगर के तमाम गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पुस्तक समीक्षा - संदर्भ सूचनाओं का वृहद ग्रंथ उत्तर प्रदेश-2024

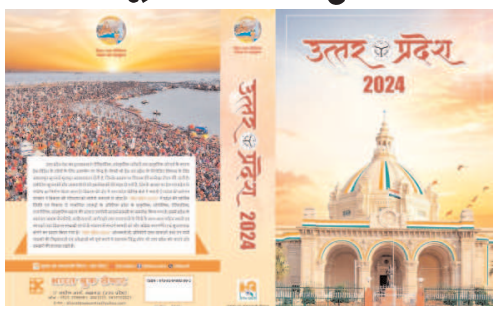

उत्तर प्रदेश सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित किया जाने वाला महत्वपूर्ण वार्षिक संदर्भ ग्रंथ ÷उत्तर प्रदेश-2024÷ का थोड़ी देर से हुआ प्रकाशन भी उपयोगी ग्रन्थ है एक दशक में इस संदर्भ ग्रन्थ ने अपनी संदर्भीय उपयोगिता के कारण पाठकों के बीच पहचान हासिल की है अपनी सारगर्भित महत्वपूर्ण सूचनाओं तथा संदर्भीय दृष्टि से उपयोगी सामग्री का समावेश करने के कारण शोधकर्ताओं और बुद्धिजीवियों के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ी है. प्रतियोगी छात्र छात्राओं के लिए यह ग्रन्थ इतना उपयोगी हो गया है कि प्रतियोगी छात्र-छात्राएं लगातार इसके प्रकाशन की प्रतीक्षा करते हैं, संदर्भ ग्रन्थ में प्रदेश से सम्बन्धित ऐतिहासिक, भौगोलिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं विकासपरक सूचनाओं की अद्यतन एवं वृहद जानकारियां शामिल की गई. उत्तर प्रदेश के इतिहास, साहित्य, कला, संस्कृति, पर्यटन स्थल, सिनेमा, पत्रकारिता, स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास, प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र साहित्यकारों, चित्रकारों, पत्रकारों, संगीत कर्मी एवं रंगकर्मी तथा उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित सिने कलाकारों के महत्वपूर्ण चित्रों को शामिल करने से इसकी उपयोगिता और बढ़ गयी है इसमें प्रदेश में जन्में प्रशस्ति, पुरस्कृत खेल विभूतियों, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री से अलंकृत महानुभावों, साहित्य अकादमी-ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकारों, परमवीर, महावीर एवं अशोक चक्र से सम्मानित शूरवीर सैनिकों तथा नवीनतम विकसित पर्यटन स्थलों के चित्रों को सम्मिलित कर पाठकों से परिचित कराने का प्रयास किया गया है. इसमें

प्रदेश की संवैधानिक प्रणाली के साथ-साथ केन्द्रीय मंत्रिमण्डल, प्रदेश मंत्रिमंडल, भारत के मुख्य न्यायाधीश, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त, उप्र. से राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस, प्रदेश के लोकसभा एवं राज्य सभा सदस्य, सम्मानित विभूतियां, भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री प्रदेश के विधायक तथा विधान परिषद सदस्य तथा लोकसभा अध्यक्ष के साथ-साथ समस्त प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री, भारत के नोबेल पुरस्कार विजेता आदि को सम्मिलित कर पुस्तक की सन्दर्भीय व्यापकता को बढ़ाया गया है. इस सन्दर्भ ग्रन्थ में समस्त विभागों को वेबसाइट के अतिरिक्त प्रदेश सरकार के समस्त विभागों के बारे विकासपरक संचालित योजनायें, चार्ट तथा उत्तर प्रदेश एवं भारत के मानचित्रों को भी पुस्तक की उपयोगिता बढ़ाने हेतु प्रकाशित किया गया है. प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों के चित्रों को भी जनपदों के गौरव को उद्घाटित करने की दृष्टि से समाविष्ट किया गया है ÷उत्तर प्रदेश-2024÷ (हिन्दी संस्करण) में प्रदेश के समस्त जनपदों को आधारभूत सूचनाओं को समाविष्ट किया गया है जिससे पाठकों को प्रत्येक जिले के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है इस पुस्तक के माध्यम से उत्तर प्रदेश को आर्थिक स्थिति, विकासपरक सूचनाएं जनगणना, शिक्षा, उद्योग, कृषि आदि क्षेत्रों में विकास को स्थिति को दर्शाया गया है. उत्तर प्रदेश-2024 पुस्तक इस दृष्टि से भी उपयोगी है कि इसमें प्रदेश की विकास योजनाओं को विभागवार समुचित जानकारी भी दी गई है, जिसका लाभ ग्रामीण जनता भी उठा सकती है. उत्तर प्रदेश के बारे में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ सरकार की भावी योजनाओं और विकास का व्यापक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करती है। उत्तर प्रदेश पर आधारित सूचना विभाग का यह सन्दर्भ प्रकाशन संदर्भीय जानकारियों को दृष्टि से उत्तर प्रदेश के बारे में वृहद जानकारी देता है पुस्तक के संपादन में निदेशक सूचना शिशिर की परिकल्पना के अनुसार मार्गदर्शन संपादक मंडल के सदस्य --- अंशुमान राम त्रिपाठी अपर निदेशक सूचना,दिनेश कुमार गुप्ता संयुक्त निदेशक, राम मनोहर त्रिपाठी उप निदेशक, अमित शुक्ला, प्रभारी संदर्भ, शिवराम सिंह शोध अधिकारी ने पुस्तक में नवीन जानकारी को रोचक ढंग से आकर्षक लुक के साथ प्रस्तुत कर निस्संदेह सराहनीय कार्य किया है, इसका प्रकाशन लखनऊ के भारत बुक सेंटर 17, अशोक मार्ग, लखनऊ द्वारा किया गया है. पुस्तक का मूल्य रु. 450 रुपये है

सुरेंद्र अग्निहोत्री, ए-305 ओसीआर बिल्डिंग, विधान सभा मार्ग, लखनऊ 226001, 8787093085

देवोत्सव मे शामिल होने के लिए निकले देवरथ

;- हिमाचल प्रदेश के मण्डी जिला के अंतर्गत सुन्दरनगर मे आयोजित देवोत्सव मे शामिल होने के लिए करसोग क्षेत्र के नागाधिराज मूल माहूंनाग जी ,कामाक्षा माता जी और पंडैहरी नाग जी की रथ यात्रा गाजे-बाजे व देवलुओ सहित आज मीलो-मील पैदल चलकर पांगणा पहुंची। पांगणा वासियो ने अपने घर और दुकानो से बाहर निकल कर पारंपरिक देव पूजा विधान से तीनो देवरथो की पूजा अर्चना की।÷पजै÷ के रुप मे एक थाली चावल,धूप-दीप,पुष्प,पूजा वस्त्र (पगु) व दान राशि अर्पित कर मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया।सुकेत संस्कृति साहित्य एवं जन कल्याण मंच पांगणा-सुकेत के अध्यक्ष डॉक्टर हिमेन्द्र बाली ÷हिम÷ का कहना है कि 1620 से 1650 ईश्वी के मध्य राजा श्यामसेन ने सुकेत पर शासन किया।इसी काल मे मुगल शासक राजा श्याम सेन और उसके भाई नारंग सेन को बन्दी बना लिया। नागदेव ने श्यामसेन

को माहूं(मधुमक्खी)के रुप मे दर्शन दिए व कारागार से मुक्ति की भविष्यवाणी की। माहूंनाग की कृपा से राजा श्यामसेन मुगल बादशाह की कारागार से मुक्त हुआ। संस्कृति मर्मज्ञ डॉक्टर जगदीश शर्मा ने बताया कि सुकेत अधिष्ठात्री राज-राजेश्वरी पांगणा से ÷मेड़÷ कर तीनो देवरथो ने कुछ समय के लिए बेहड़े वाली माता के आगन मे विश्राम व देवलुओ ने चायपान व दोपहर का भोजन कर महामाया पांगणा का आशीर्वाद प्राप्त कर आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान किया।इस अवसर पर ग्राम पंचायत पांगणा के प्रधान सुरेश शर्मा,महामाया मंदिर समिति व व्यापार मण्डल पांगणा के प्रधान कुशल महाजन, इन्द्रराज शर्मा,यशवंत,नरेन्द्र, पूर्व महासचिव देशराज महाजन,महामाया के कुठियाला व पुजारी खेमराज शर्मा,चीन्की शर्मा, खुफिया विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी जितेन्द्र शर्मा, भिगवत वक्ता डॉक्टर अमन शर्मा,सेवानिवृत्त अधीक्षक जगन्नाथ शर्मा,सेवानिवृत्त कानूनगो भूपेन्द्र शर्मा,समाजसेवी रविन्द्र गुप्ता, सेवानिवृत्त कनिष्ठ अभियन्ता जगदीश शर्मा, श्यामलाल शर्मा, ज्ञान शर्मा सहित अनेक पांगणा वासियो ने तीनो देव रथो ,देओकरो व वाद्य वृन्द कलाकारो का स्वागत किया।

अब टू-व्हीलर और फ़ोर व्हीलर के लिए आ गया फ़ोनपे का नया व्हीकल इंश्योरेंस

फ़ोनपे ने अपना ''नया व्हीकल'' इंश्योरेस लॉन्च किया है जो टू व्हीलर और फ़ोर व्हीलर, वाहनों के लिए है। इससे वाहन खरीदारों को पुराने डीलरशिप इंश्योरेंस प्लान की तुलना में ऑनलाइन इंश्योरेंस के किफ़ायती ऑप्शन मिलेंगे। इस लॉन्च के साथ अब यूज़र फ़ोनपे ऐप पर अलग-अलग इंश्योरेंस कंपनियों की पॉलिसियों की तुलना कर सकेंगे और अपनी पसंदीदा पॉलिसी ऑनलाइन खरीद पाएंगे। आमतौर पर वाहन खरीदारों को डीलरशिप इंश्योरेंस में कई समस्याएं आती हैं जैसे- बढ़े हुए प्रीमियम, सीमित ऑप्शन होना, और लोगों की एकतरफ़ा सलाह। हालांकि, इस नए लॉन्च के साथ, फ़ोनपे ने लीडिंग इंश्योरेंस कंपनियों के साथ साझेदारी की है, जिससे यूज़र्स को भरोसेमंद और कॉम्पिटीटिव आधार पर इंश्योरेंस मिल सके। इस प्लान की खास बाते हैं- डीलरशिप कीमतों की तुलना में टू-व्हीलर इंश्योरेंस पर ?4,000 तक और फोर-व्हीलर इंश्योरेंस पर ?40,000 तक की बचत। ओन डैमेज कवर के साथ टू-व्हीलर इंश्योरेंस की सबसे कम कीमत सिर्फ फ़ोनपे ऐप पर, वो भी सिर्फ़ ?1 से शुरू। 100त्न डिजिटल इंश्योरेंस- खरीदें बिना किसी पेपरवर्क के। न कोई बड़ा डीलर मार्जिन, न ही कोई छिपा हुआ शुल्क। लॉन्च के बारे में फ़ोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज़ के ष्टश्वह्र विशाल गुप्ता ने कहा, ÷हमारा मकसद है कि सभी लोग इंश्योरेंस आसानी से खरीद पाएं और यह किफ़ायती हो।

जैन संभागीय अध्यक्ष नियुक्त

मोहन बड़ोदिया/ श्रमजीवी पत्रकार संघ के दो दिवसीय मुरैना में आयोजित प्रांतीय महा अधिवेशन में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांत संयुक्त सचिव मनोज जैन पूर्व जिला अध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ शाजापुर को संगठन की उज्जैन संभागीय इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर मोहन बड़ोदिया ब्लॉक इकाई में हर्ष की लहर है। मनोज भैया आपके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयां को छूएगा और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेगा। उज्जैन संभाग को सशक्त नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रांत अध्यक्ष शलभ भदोरिया का हार्दिक आभार। श्री जैन को जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम सोनी, मांगीलाल कुलमी,ब्लॉक अध्यक्ष साथी देवेंद्र बिसानी, जिला कार्यकारिणी सदस्य संजय राठौर, विमल विश्वकर्मा, बल्लप पाटीदार, राजेश जामलिया, रवि गोयल, मुकेश माहेश्वरी, पंकज गुर्जर, हरीश नागर, नारायण जायसवाल, महेंद्र टेलर, महेश भारती, सुभाष श्रीवास्तव, विनोद वर्मा आदि ने श्री जैन को बधाई देते हुए प्रांत अध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया का आभार व्यक्त किया है।

बिरला ओपस पेंट्स ने मुंबई और नवी मुंबई में पहला पेंट स्टूडियो लॉन्च किया

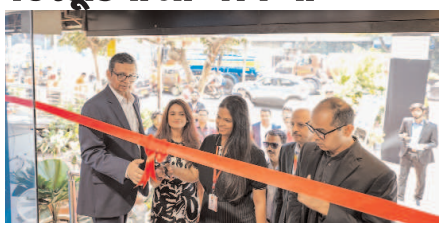

मुंबई: आदित्य बिरला ग्रुप की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के तहत आने वाले ब्रांड, बिरला ओपस पेंट्स ने आज मुंबई और नवी मुंबई में क्रमशः दो नए बिरला ओपस पेंट स्टूडियो (कंपनी ओन्ड एवं कंपनी ऑपरेटेड स्टोर) पेश किए। गुरुग्राम और लखनऊ में अपने पेंट स्टूडियो की सफलता के बाद, यह विस्तार इनोवेशन, प्रीमियम पेशकशों और दिलचस्प ग्राहक अनुभव द्वारा पेंट एवं डेकोर उद्योग में परिवर्तन लाने की ब्रांड की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह लॉन्च बिरला ओपस पेंट्स की विकास रणनीति का एक अहम कदम है, जिसका मकसद पूरे भारत में अपने रिटेल नेटवर्क को फैलाना है। कंपनी आने वाले महीनों में एक्सपीरियंशल रिटेल पर केंद्रित रहते हुए बैंगलोर,

दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, जयपुर, अहमदाबाद और सूरत में अपने एक्सपीरियंस सेंटर खोलने की योजना बना रही है। ये दो नए बिरला ओपस पेंट स्टूडियो रचनात्मकता और प्रेरणा के केंद्र के रूप में विकसित किए गए हैं, जो पारंपरिक पेंट स्टोर्स के मुकाबले काफी आधुनिक हैं।

नवरात्रि पर चिंतन आलेख –

देवी की वरदान बेटियां

पूरी दुनियां में भारत देश ही एक अकेला ऐसा देश है, जहां की एक वर्ष में दो बार नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। क्वांर और चैत्र के माह में नौ-नौ दिन तक मंदिरों में पूजा स्थल पर जोत जलाकर, जंवारा उगाकर मां दुर्गा के नव रूपों की पूजा आराधना की जाती है।

छत्तीसगढ़ में भी इस पर्व को धूमधाम से मनाने की परंपरा है। छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है जहां की डोंगरी-पहाड़, खेत-खार, तालाब-नदियों के किनारे घने जंगलों के बीच मां दुर्गा विराजती हैं। दंतेश्वरी, बम्बेलष्वरी, महामाया, सतबहनिया, चंडी माई, मरही माता, शीतला माता,बंजारी, चंद्रहासिनी ,बिलई माता अंगारमोती जैसे अनेक नामों से माताश्री के मंदिर छत्तीसगढ़ में हैं। इसीलिए छत्तीसगढ़ समुचे देश में एक ऐसा अकेला राज्य जहां के निवासी छत्तीसगढ़ को महतारी कहते हैं। लाल ध्वजा, लाल चुनरी, लाल चूड़ी, लाली लुगरा से माता रानी की प्रतिमा को सुसज्जित करनेऔर नींबू फल से निर्मित माला चढ़ाने के साथ ही साथ इस पर्व में ÷कन्या भोजन÷ कराने का प्राचीन रिवाज है । दरअसल कुंवारी कन्याओं को हमारे देश और प्रदेश में देवी के रूप में पूजने की प्रथा है। कहा जाता है कि ''बेटी खाएगी उसे देवी पाएगी÷ ।इसी मान्यता के परिपालन में नवरात्रि पर्व पर नवदिन तक उपवास करके देवी भक्त नव कन्याओं को विविध पकवान फल खिलाते हैं। कन्याओं का चरण धोकर,चरण छू कर उन्हें अपनी श्रद्धा भक्ति सामर्थ के मुताबिक भेंट देकर आशीष मांगते हैं।

बेटी -बेटा में भेदभाव- पर आजकल बदलते वक्त के साथ इस प्राचीन परंपरा में बड़ी विकृति दिखाई दे रही है। समाज में बेटी- बेटा के मध्य बड़ा ही भेदभाव का बोल बाला दिखाई दे रहा है। बेटे होने की खुशी में जश्न मनाते हैं।बड़ी बड़ी पार्टी किए जाते हैं ,किंतु जब बेटी जन्म लेती है तो ज्यादातर लोगों का मुंह ऐसे लटक जाता है, जैसे उन्हें सांप ने सुंघ लिया हो। ऐसी भयावह घटना भी सामने आ रही है कि आधुनिकता के साथ चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति का दुरुपयोग करते हुए अनेक चिकित्सक और दम्पत्ति मिलकर कोख में पल रही कन्या भ्रूण की निर्मम हत्या कर दे रहे है। ऐसी भयावह क्रूरतापूर्ण हरकत को करते समय इंसान भूल जाता है कि घर मेंआती हुई लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा की जघन्य हत्या करके महापाप का भागीदार अपने ही हाथों अपने सिर मोर ले रहा है। ऐसी अमानवीय कृत्य को करने वाला इंसान ईमानदारी से अपने हृदय में हाथ रखकर अपनी आत्मा से पूछे कि ÷कन्या भ्रूण हत्या'' करने वाले मनुष्य की पूजा का मान क्या मां दुर्गा स्वीकार करेगी? इस सवाल का सीधा-सीधा उत्तर है कभी नहीं।

इसी तरह अनेक परिवारों में कम दहेज देने वाली दुल्हन को प्रताड़ित किया जाता है। उसे जलाकर मार डालने जैसा अकल्पनीय कृत्य किया जाता है। अनेक गांव में नारी जाति को डायन टोनही कह कर मारा-पीटा जाता है । ऐसी नासमझी और मूर्खतापूर्ण कदम उठाने वालों को यह सोचना चाहिए कि ऐसा करके वे लोग गांव घर की जीवित देवी का घोर अपमान कर रहे हैं। ऐसे ही कई अज्ञानी लोग अपना पाप धोने के लिए वर्ष में केवल दो बार नवरात्रि के पावन पर्व पर कन्या भोजन करवातें हैं। वे भूल जाते हैं कि घर परिवार की जीती जागती देवी का तिरस्कार करने वाले दुर्जनों को मां दुर्गा कभी भी क्षमा नहीं करेगी। हमारे समाज में कई ऐसी घटनाएं भी उजागर हुई हैं जब बेटों ने माता पिता की जमीन जायदाद को बांट लियाऔर फिर मुंह फेर लिया। इसके विपरीत फुटी कौड़ी की आस किए बिना भी बेटियों ने अपने माता-पिता के दुख दर्द को अपना दुख दर्द समझा।हंसी खुशी से उनकी पीड़ा को बांटते हुए उनकी ज़िन्दग़ी को संवारने में अपनी खुशी देखी।कवि श्री ने बेटियों की ऐसी महिमा को ब्यक्त करतेलिखा है कि-

फूल सी नाजुक होती है बेटियॉ,
स्पर्श हो खुरदुरा तो रोती है बेटियां
रौशन करेगा बेटा तो एक ही कुल को,
पर दो दो कुल की लाज को सवांरती है बेटियॉ।

मायके ससूराल में पराई बेटी- वो बेटी जो जन्म के बीस पच्चीस बरस मायके में बिताती है। ए सुनते सुनते कि बेटियां तो पराया धन होती हैं, दुर्भाग्य है कि विवाह उपरांत उन्ही बेटियों को ससूराल में भी जीवन भर पराया कहा जाता है।स्मरण कीजिए एक पौधे को मिट्टी से गमले में या गमले से मिट्टी में जब रोपा जाता है तो वह स्थान परिवर्तन की पीड़ा में मुरझा जाता है। वहीं बीस पच्चीस वर्षों तक मायके में पली बढ़ी बेटियां अपनी मिट्टी,अपना घर-परिवार,गांव- शहर अपनी सखी सहेलियों को छोड़कर समस्त पुराने रिश्तों के विछोह की वेदना को भूलाकर सदा सदा के लिए ससुराल में जा बसती है। वहां भी अगर बेटी को माता पिता की थोड़ी भी अकुशलता का समाचार मिलता है तो वह मायके जाने को मछली की भांति तड़फ उठती है।

हमारे वेदपुराण इतिहास,और चिंतक चीख चीख कर बता रहे हैं कि बेटों की तूलना में बेटियां कम ज्ञानी नहीं होती। हमारे हरेक पर्व हमारी परम्पराएं बेटियों पर केंद्रित हैं। बेटियों की घटती संख्या के कारण समाज में अनेक रिश्ते-नाते, त्योहार समाप्त प्राय हो चलें है।इस विषय पर गंभीर चिंतन मनन करने नवरात्रि पर्व फिर आया है।इस पर्व पर देवी की पूजा में लीन देवी भक्तों से यही कहना है कि रोते बिलखते परिवार को बिटिया हंसा देती है। इसीलिए वे देवी की वरदान होती हैं अतःबेटियों का मान देवियों के मानिंद ही रखें। इसी में जगत की भलाई है। ऐसे ही भावनाओं की अभिव्यक्ति कविश्री ने दिल को छू लेने वाली पंक्तियों में ब्यक्त किया है ----

हल्दी-कुमकुम,मेंहदी-सिंदूर का अवतार न होता न होती बहिन -बेटियां तो रंक्षाबंधन-भाईदूज तीज का त्यौहार न होता।

विजय मिश्रा 'अमित% पूर्वअति. महाप्रबंधक(जन.) एम-8, सेक्टर-2 अग्रसेन नगर,पो.आ.सुंदर नगर, रायपुर छ.ग. मोबा. 98931-23310